VIDYA
UNIVERSITY PRESS

सुगंधा

हिन्दी की पाठ्य-पुस्तक

कक्षा 1

Teacher's Resource Book

सुगंधा–1

आओ दोहराएँ वर्णमाला

❐ अभ्यास

1. अ **आ** इ **ई** उ **ऊ** ऋ ए **ऐ** ओ **औ**

2.

आ	—	ा	बादल	गाजर
इ	—	ि	गिरगिट	तकिया
ई	—	ी	लकड़ी	पीतल
उ	—	ु	मुलायम	पुजारी
ऊ	—	ू	सूरत	पालतू
ऋ	—	ृ	अमृत	कृषि
ए	—	े	मेरठ	ठेला
ऐ	—	ै	पैसा	नैनीताल
ओ	—	ो	खरगोश	मोटा
औ	—	ौ	चौकी	पौधा
अं	—	ं	वंश	डंक
अँ	—	ँ	सातवाँ	बूँद
अः	—	ः	अतः	प्रातः

3. 37

4.

च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ

5. साँप, तोता, सैनिक, शेर

6. काम, नाम, दाम पुल, सुन, दुम

7. (क) खुरपा (ख) चूहे (ग) नानी (घ) कृपा

8. सरला = स + र + ल + आ, सीमा = स + ई + म + आ

❑

1. झूला

❑ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (ii)

2. (क) ऊ **प** र (ख) क **ल** क **त्ता**

(ग) रि **म झि** म (घ) **बा** द ल

(ङ) आ **स** मा न

3. (क) झूले के नीचे की धरती झूल रही है।

(ख) हमें झूला दिल्ली और कलकत्ता ले जाएगा।

(ग) रिमझिम-रिमझिम बादल बरस रहा है।

❑ व्याकरण-बोध

4.

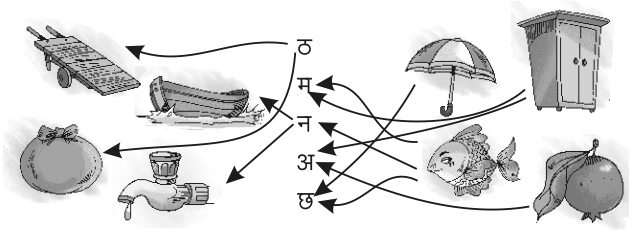

ठ—गठरी, ठेला छ—मछली, छतरी

म—मछली, अलमारी, अ—अलमारी, अनार

न—नल, नाव, अनार

हाँ, अनार और अलमारी को दो बार लिया गया है।

5.

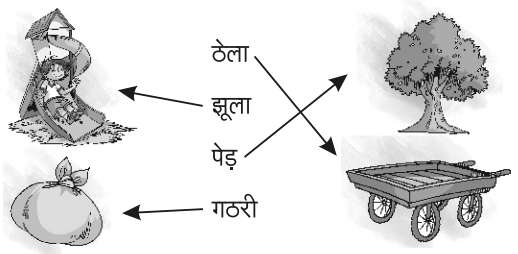

6. पेड़ मेज चारपाई झाड़ी

❒ योग्यता-विस्तार

7. टायर, फाटक, डाली, अलमारी, पैर वाला झूला

8. मेला, पार्क, मेला, बगीचा, घर का आँगन, स्कूल

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

2. मैं भी...

❒ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

2. (क) बतख के बच्चे ने चूजे से (ख) चूजे ने बतख के बच्चे से
(ग) बतख के बच्चे ने चूजे से (घ) चूजे ने बतख के बच्चे से

3. (क) दूसरे अण्डे में से मुर्गी का चूजा निकला।
(ख) चूजा मुर्गी के बच्चे को कहते हैं।
(ग) चूजा बतख के बच्चे के साथ घूमने गया।
(घ) दोनों बच्चे अपनी-अपनी क्षमताओं का प्रयोग करना चाहते थे।
(ङ) बतख के बच्चे ने चूजे को डूबने से बचाया।

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii)
(घ) (v) (ङ) (iii)

5. (क) नकलची (ख) आलसी (ग) मेहनती
(घ) खिलाड़ी (ङ) पेटू

❒ योग्यता-विस्तार

6.

चीजें	डूबेगा	तैरेगा
चॉक	✓	
पत्थर	✓	
रुई	✓	
कागज	✓	
लकड़ी		✓
पेंसिल		✓
छीलनी		✓

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

3. गाली का उत्तर

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. (क) नवयुवक ने स्वामी जी से

(ख) स्वामी जी ने नवयुवक से

(ग) नवयुवक ने स्वामी जी से

3. (क) कुछ लोग स्वामी दयानन्द जी से इसलिए चिढ़ते थे, क्योंकि समाज में उनका सम्मान बढ़ने लगा था।

(ख) स्वामी दयानन्द जी के पास खड़े नवयुवक ने कहा कि स्वामीजी, आपका शरीर इतना हृष्ट-पुष्ट है।
यदि आप इस आदमी को एक झापड़ दें तो यह सीढ़ियों पर लुढ़कने लगे। फिर भी आप इतनी गालियाँ क्यों सुन रहे हैं।

(ग) स्वामी दयानन्द जी ने नवयुवक को यह समझाया कि भोले नवयुवक! मैंने उस आदमी की एक भी गाली नहीं ली। जब कोई मनुष्य हमें कुछ चीज देने का प्रयत्न करे और हम उसे न लें तो क्या होगा? इस पर नवयुवक बोला कि वह चीज देने वाले के पास ही रह जाएगी। तब स्वामी जी पुन: बोले, इसलिए इसकी सब गालियाँ इसी के पास रह गईं।

❒ व्याकरण-बोध

4. गंगा, पतंग, कंबल, शंख, रंक, संसार।

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि अच्छी और बुरी चीजों में से हमें अच्छी चीजें ही ग्रहण करनी चाहिए।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

4. माँ की सलाह

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i)

2. (क) चुनमुन (ख) छोटी (ग) बगुले (घ) दया

3. (क) मुरगी ने चुनमुन को साथ रहने के लिए इसलिए कहा, क्योंकि वह अभी छोटा था और मुरगी उसे खाना ढूँढ़ना सिखाना चाहती थी।

(ख) चुनमुन इसलिए रो रहा था, क्योंकि उसके गले में मटर का दाना अटक गया था।

(ग) मुरगी चुनमुन के गले से मटर का दाना इसलिए नहीं निकाल पाई, क्योंकि उसकी चोंच छोटी थी।

(घ) बगुले ने चुनमुन के गले से मटर का दाना निकाला।

(ङ) चुनमुन माँ से बोला—"माँ, मुझसे गलती हो गई। अब मैं सदैव आपका कहना मानूँगा। बिना पूछे कभी इधर-उधर नहीं जाऊँगा।"

❒ व्याकरण-बोध

4. (क) हो (ख) गया (ग) बताई (घ) दिया

5. का, की, के

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

5. कर भला, हो भला

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. (क) कबूतर ने पानी में गिरी एक चींटी को देखा।

(ख) कबूतर ने चींटी को बचाने के लिए पानी में पेड़ की सूखी हुई टहनी गिरायी।

(ग) कबूतर सोच रहा था कि एक तरफ शिकारी है और दूसरी तरफ बाज। जान तो गँवानी ही होगी।

(घ) चींटी के काटने पर शिकारी के हाथ-पाँव हिल गए जिस कारण उसका निशाना चूक गया।

(ङ) शिकारी का निशाना चूकने पर उसका तीर बाज को लग गया। तीर लगते ही बाज नीचे गिरा और मर गया।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) गिरी (ख) मरा (ग) आया (घ) उड़ा।

4. किनारे, निशाना, संकट, टहनी, शिकारी, कबूतर

❒ योग्यता-विस्तार

5. लखनऊ तथा कानपुर।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

6. बंदर और गिलहरी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

2. (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

3. (क) गिलहरी जमीन पर उछल-कूद कर रही थी।
(ख) गिलहरी को अचानक एक पूँछ दिखाई दी।
(ग) गिलहरी बंदर की पूँछ पर झूलने लगी।
(घ) गिलहरी को मजा आ रहा था।
(ङ) बंदर को गुदगुदी होने लगी।

❒ व्याकरण-बोध

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

5. रूमाल — हाथ पोंछते हैं। मुँह पोंछते हैं।
पेंसिल — लिखते हैं। चित्र बनाते हैं।
फुट्टा — दूरी नापते हैं। रेखा खींचते हैं।

❒ योग्यता-विस्तार

6. **उछल-कूद करते हैं** — खरगोश, चूहा, गिलहरी, बिल्ली, कुत्ता।
उछल-कूद नहीं करते — हाथी, ऊँट, गधा, गाय, शेर।

7. बंदर फल, रोटी, भुने-चने आदि चीजें खा लेता होगा।

8. गिलहरी अखरोट, बादाम, फल आदि चीजें खा लेती होगी।

❐ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

7. बुरा न मानो

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. (क) माफी सबसे, दोस्ती (ख) जी धन्यवाद, प्यार इसी से

(ग) बात बताएँ, मिलकर सबको

3. (क) साइकिल अजय की है।

(ख) हर्ष, अजय को धन्यवाद कह रहा है।

(ग) हाँ, मदन के पास पैसे हैं।

(घ) छाया को पैसे चाहिए।

(ङ) विमला, आनंद को बुला रही है।

(च) हाँ, विमला, प्यार से बुला रही है।

❐ व्याकरण-बोध

4. कृप्या, धन्यवाद, क्षमा करना।

❐ योग्यता-विस्तार

5. पीजिए खाइए पढ़िए लीजिए

❐ जीवन-मूल्य

6. (क) ☺ (ख) ☹ (ग) ☺ (घ) ☹

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. दाँत का दर्द

❐ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

2. (क) ध्यान (ख) कीड़ा (ग) नुकसान (घ) बदबू

3. (क) दीपा के दाँतों में कीड़ा लग गया था, क्योंकि वह कुछ भी खाने के बाद दाँत साफ नहीं करती थी।

(ख) दाँत साफ न रहने से दाँत कमजोर हो जाते हैं और समय से पहले टूट जाते हैं। दाँतों में दर्द भी होता है।

(ग) मसूड़ों में सड़न पैदा हो जाने से मुँह से बदबू आने लगती है।
(घ) सख्त चीजें खाना ही दाँतों का व्यायाम है।
(ङ) भोजन करने या कुछ भी खाने के बाद अगर दाँत साफ न किए जाएँ तो उनमें कीड़ा लग जाएगा।

❒ व्याकरण-बोध

4. बुरी — अच्छी | साफ — गन्दा
नीचा — ऊँचा | सुबह — शाम

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ योग्यता-विस्तार

6. विद्यार्थी स्वयं करें।
7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

8. विद्यार्थी स्वयं करें।
9. विद्यार्थी स्वयं करें।
10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

9. एक से दो

❒ पाठ-बोध

1. (क) मेरे पास एक कार है, आओ तुम्हें दिखाता/दिखाती हूँ।
(ख) देखो, थोड़ी देर तुम भी खेलो।
(ग) तुम्हारी, देखूँ! अपनी किताब दिखाओ तो।

2. (क) गीता के पिताजी नयी रेलगाड़ी लाए थे।
(ख) गीता और समीर के पास एक-एक खिलौना था। उन्होंने खिलौने एक-दूसरे से बाँट लिए। इस प्रकार उनके पास दो-दो खिलौने हो गए।
(ग) गेंद-बल्ला खेलने के लिए कम-से-कम दो लोग चाहिए।
(घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ व्याकरण-बोध

3. ओ इ उ ए

4. ई (इ) (ए) (उ) (आ) ऐ

❒ योग्यता-विस्तार

5. शेर
6. क्रिकेट, विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

10. पानी बड़ा कीमती है

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

3. (क) हाँ (ख) हाँ (ग) नहीं (घ) नहीं (ङ) हाँ

4. (क) पानी नदियों, तालाबों, कुओं, झरनों, समुद्रों, बादलों में तथा भूमि के अंदर पाया जाता है।

(ख) पानी से हम बर्तनों और घरों को साफ करते हैं, क्योंकि पानी सारी गन्दगी को अपने साथ बहाकर ले जाता है, और हर स्थान को साफ बना देता है।

(ग) जहाँ पानी नहीं होता वहाँ के लोग प्यास से व्याकुल होकर मरने लगते हैं।

(घ) धरती पर हमारे पीने योग्य स्वच्छ पानी बहुत कम है।

(ङ) मच्छर खुले पानी पर अण्डे देते हैं।

(च) यदि पानी न हो तो हमारे दैनिक कार्य (नहाने, धोने, पीने, बर्तन साफ करने, पौधों को पानी देने जैसे आदि) नहीं हो पाएँगे।

❒ व्याकरण-बोध

5. (क) सींचता (ख) धोते (ग) साफ करते (घ) दिया
(ङ) बरसता (च) बनती

6. (क) जल (ख) वृक्ष (ग) धरती (घ) आसमान
(ङ) विश्व (च) औषधि

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ योग्यता-विस्तार

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

11. रसोईघर

❐ पाठ-बोध

1. चाँद-सी, थाली, बनकर ताली, रोटी-सब्जी, झटपट

2. (क) रसोईघर में परात, भगोना, कड़ाही, छलनी, पतीली, थाली, कटोरी, गिलास, चम्मच आदि बरतन होते हैं।

(ख) चाकू से फल, सब्जी, सलाद आदि को काटने का काम किया जाता है।

(ग) रसोईघर में खाना बनाने का काम किया जाता है।

❐ व्याकरण-बोध

3. काटूँ—बाँटूँ
थाली—ताली
पकड़—जकड़
टमाटर—सजाकर
डाली—खाली

❐ योग्यता-विस्तार

4. तलना

चाकू हँसिया दाव कैंची

5.

चाकू से	**कैंची से**
आम	कपड़ा
सेब	कागज
बैंगन	रस्सी
गन्ना	

6. चकला-बेलन, रोटी, छलनी, चाय

❐ जीवन-मूल्य

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. (क) हलुवा (ख) ताहरी (ग) गाजर का हलुवा

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❐

12. कुट्टी नहीं, अब्बा!

❐ पाठ-बोध

1. (क) (iii) (ख) (ii)

2. (क) ऊँट और बंदर में पहले दोस्ती थी।

(ख) नहीं।

(ग) अनबन होने पर भी ऊँट और बंदर ने एक-दूसरे की मदद इसलिए की, क्योंकि उन्हें एक-दूसरे की बहुत याद आती रही थी और इसका नतीजा यह निकला कि दोनों में पुन: अच्छी दोस्ती हो गई थी।
अन्त में ऊँट बन्दर दोनों इसलिए हँस पड़े, क्योंकि दोनों में फिर से दोस्ती जो हो गई थी।

(घ) अन्त में ऊँट और बन्दर दोनों इसलिए हँस पड़े, क्योंकि दोनों में फिर से दोस्ती जो हो गई थी।

❒ व्याकरण-बोध

3.

खिलाया	बैठाया
सुलाया	बुलाया
पढ़ाया	हँसाया

4. पेड़, खुशबू, झगड़ा, दोस्ती

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒

13. हमारा परिवार

❒ पाठ-बोध

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. (क) दादा-दादी, मजे (ख) और परियों, कहानी

3. (क) छोटे परिवार में माता-पिता और दो बच्चे होते हैं।

(ख) दादा-दादी बच्चों को राजा-रानी और परियों की कहानियाँ सुनाकर खुश करते हैं।

(ग) नानी जी का घर चंडीगढ़ में है।

(घ) बच्चे नानी के घर गर्मियों की छुट्टियों में जाते हैं।

(ङ) परिवार में दादा, दादी, मम्मी, पापा, भाई, बहन हो सकते हैं।

❒ व्याकरण-बोध

4. **सही**—परिवार, संसार, प्यारा, बहुत, भैया, सुनाते
गलत—परीवार, सनसार, पयारा, बहूत, भैय्या, शुनाते

5. नानी चाची मामी मौसी बेटी

6. 10 अक्षर 10 अक्षर 10 अक्षर 11 अक्षर

❒ योग्यता-विस्तार

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

14. गुड़िया रानी की शादी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (i)

2. (क) चंपा और मंजू ने एक दिन यह तय किया कि वे गुड़िया–गुड्डे की शादी करेंगी।

(ख) गुड़िया का लहँगा चंपा की माँ ने बनाया।

(ग) शादी के लिए लड्डू और बर्फी मँगवाई गईं।

(घ) चंपा और मंजू की सहेलियों ने दीपक जलाए।

❒ व्याकरण-बोध

3. (i) यह मेरी गुड़िया है।

(ii) यह मेरा गुड्डा है।

(iii) यह मेरी बहन है।

(iv) यह मेरी माँ है।

(v) यह मेरी मिठाई है।

4. चंपा, ढोलक, लहँगा

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

15. खरीदारी

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iv)

2. (क) दुकानदार के पास केले, पपीते, अंगूर, संतरे आदि फल हैं।
(ख) नहीं।
(ग) मेहुल ने एक पपीता लिया।
(घ) मेहुल ने एक सौ का नोट दिया।

❒ व्याकरण-बोध

3. (क) चूसकर (ख) छीलकर (ग) काटकर (घ) छीलकर

4. सेब 60 रुपये किलो हैं। केले 25 रुपये दर्जन हैं।
चीकू 30 रुपये किलो हैं। अनन्नास 35 रुपये किलो हैं।

5. लीची, अनार, शरीफा, चीकू, भिण्डी, बंदगोभी, तोरी, सीताफल

6. विद्यार्थी स्वयं करें।

7. विद्यार्थी स्वयं करें।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ योग्यता-विस्तार

9. विद्यार्थी स्वयं करें।

❒ जीवन-मूल्य

10. विद्यार्थी स्वयं करें।

11. विद्यार्थी स्वयं करें।

12. विद्यार्थी स्वयं करें।

❑

16. गिनती-ज्ञान : एक-दो-तीन...

❒ पाठ-बोध

1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. (क) घोड़े (ख) कुत्ते (ग) बिल्लियाँ (घ) चूहे (ङ) किला

3. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (v) (ङ) (iii)

4. इस कविता में कुल मिलाकर 47 जीवधारी हैं।

❒ योग्यता-विस्तार

5. विद्यार्थी स्वयं करें। ❑